ई–बुलेटिन

# कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

खंड VII अंक VI

सितम्बर-2015

इस अंक में:


- नेपाल के प्रतिनिधियों का मैनेज दौरा
- इस माह के कृषि उद्यमी: श्री. अविनाश सालूङ्के, श्रीरामपुर, महाराष्ट्र
- इस माह का संस्थान: वालन्टरी असोशिएशन फॉर पीपल सर्विसेस (वीएपीएस) मदुरै
- कॉटन एप


**कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें**

**1800 –425-1556**

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

## नेपाल के प्रतिनिधियों का मैनेज दौरा

कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय (एएफ़यू), नेपाल के वरिष्ठ प्रबंधक और संकाय ने 8 सितम्बर, 2015 को राष्ट्रीय कृषि विस्तारण प्रबंध संस्थान (मैनेज) का दौरा किया। यह दौरा यूएसएआईडी के एग्रिकल्चरल इनोवेशन पार्टनर्शिप (एआईपी) परियोजना का एक भाग था जो कॉर्नेल सतगुरु, हैदराबाद द्वारा संस्थागत क्षमता निर्माण, मानव संसाधनों का विकास और संगठनात्मक कामकाज में सुधार करने के लिए लागू किया जा रहा है।

महानिदेशक, श्रीमती. उषा रानी, आईएएस ने प्रतिनिधि मण्डल से वार्तालाप की और उन्हें सुझाव दिया कि वें कृषि स्नातकों को उनके स्नातक कार्यक्रमों के आरंभ से ही कृषकों से बातचीत करवाए। यह विद्यार्थियों को कृषकों को समझने और समानुभूति बनाने में मदद करेगा। डॉ. वी.पी. शर्मा, निदेशक आईटी, प्रलेखन और प्रकाशन ने मैनेज की गतिविधियों पर समीक्षा प्रस्तुत की।

नेपाल के प्रतिनिधि मैनेज, हैदराबाद के डीजी और संकाय से वार्तालाप करते हुये।

डॉ. पी. चन्द्रशेखर, निदेशक (कृषि विस्तारण) ने भारत में विस्तारण कार्यक्रमों, सार्वजनिक-निजी साझेदारी और एसी एवं एबीसी योजना के बारे में बात की। डॉ. के उमा रानी, निदेशक (विस्तारण) ने कृषि विस्तार प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएईएम) पर विस्तृत प्रस्तुति दी जिसके पश्चात डॉ. एन. बालसुब्रमणि ने कृषि विस्तार में डिप्लोमा इनपुट डीलरों के लिए (डीएईएसआई) पर विचार-विमर्श किया। यह एक दिवसीय दौरा प्रतिनिधि मण्डल के किसान कॉल सेंटर (केसीसी), राजेन्द्रनगर और हैदराबाद के श्री. जानकीराम रेड्डी, एक कृषि उद्यमी द्वारा स्थापित नर्सरी एकक, अपर्णा एग्रो बायोटेक के दौरे से समाप्त हुई। प्रतिनिधि मण्डल एसी एवं एबीसी योजना के कामकाज से काफी प्रभावित हुई।

नेपाल के प्रतिनिधि फील्ड का दौरा करते हुये।

# अविनाश सालूङ्खे का बेर फूटर स्कूल : तकनीक-विस्तारण अंतर को भरता

अविनाश सालूङ्खे (47) एक भूमिहीन कृषि परिवार में पले-बड़े। कृषि में उनकी औपचारिक शिक्षा के पश्चात, वे पुणे स्थित एक कीटनाशक उत्पादक कंपनी से जुड़ गए। इस नौकरी के कारण उन्होंने पूरे महाराष्ट्र का दौरा किया जिसमे वह क्षेत्र भी शामिल थे जो कृषकों के आत्महत्या के लिए जाने जाते है। बार-बार सूखे के कारण फसल न होना, कृषि उत्पादों के लिए मूल्य की वसूली न होना, लालची साहूकारों पर निर्भरता यह कुछ कारण थे जो कृषकों को अपना जीवन त्याग ने जैसा अंतिम कदम लेने की तरफ मजबूर करते है। विचारशील अविनाश उनको इस नुकसान से बचाने के तरीके ढूँढना चाहते थे।

वर्ष 2002 में, अविनाश ने अपनी नौकरी छोड़ दी और कृषि महाविद्यालय, पुणे में ऐग्री-क्लीनिक एवं ऐग्री-बिज़नस केंद्र योजना के अंतर्गत दो माह के आवासी प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़ गए। प्रशिक्षण के पश्चात, अविनाश ने बेर फूटर स्कूल की नींव रखी और " शेती दवाखाना" नाम से अपना फ़र्म पंजीकृत करवाया। बहुत कम पूंजी के साथ, उन्होंने जैव-नियंत्रण एजेंट का उत्पादन आरंभ किया। समर्पित और गुणवत्ता की सेवाएँ प्रदान करते हुये इस फ़र्म ने धीरे-धीरे कीटनाशक स्प्रे, किट और रोग नैदानिक सेवाएँ, जैव-नियंत्रक एजेंट का उत्पादन और बिक्री, जैविक-कीटनाशक, फेरोमोन्स-ऐट्राएक्टन्त, प्रतिबंधित कीटनाशक के साथ धुमीकरण की सेवाएँ आदि जैसी सेवाओं में अपने व्यवसाय का विस्तार किया। आज, अविनाश दो कंपनियों, तीन फ़र्म के स्वामी है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय धूमक के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसका वार्षिक कारोबार रु.5 करोड़ है और वेतन पर 46 कर्मचारी कार्यरत है। इनकी सेवाएँ 46 गाँवों के 1500 कृषकों को प्राप्त हो रही है।

अविनाश सालूङ्खे जल कृषि पर महिला एसएचजी को प्रशिक्षण प्रदान करते हुये।

श्री विकास अदमने (37) ने निपानी ग्राम, अहमद नगर, महाराष्ट्र से कृषि विज्ञान में स्नातक किया। उन्होंने 2013 में बेर फूटर स्कूल में प्रशिक्षण में भाग लिया और किट प्रबंधन और नियंत्रण में अर्हता प्राप्त की। विकास ने 'मौली एग्रो-क्लीनिक' नाम से कृषि-परामर्श फ़र्म स्थापित किया और कृषकों को जैविक कृषि करने के लिए प्रोत्साहित करना आरंभ किया। विकास उनके कार्य क्षेत्र में प्राधिकृत धूमक बन गए और किट प्रबंधन के डॉक्टर कहे जाते है। जैव-नियंत्रण एजेंट के महत्वपूर्ण परिणामों ने 4 गाँवों के कुल 125 कृषकों को जैविक कृषि पद्धतियाँ अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कृषक समुदाय को अधिक अनुकूल तरीकों से सेवाएँ प्रदान करने के लिए अविनाश ने कृषकों के लिए 'बेर फूटर स्कूल' भी शुरू किया। एक कृषक जो अपने कार्यों का विस्तार और विविधिता प्रदान करना चाहता है, ग्रामीण युवा जो कृषि को अपना व्यवसाय बनाना चाहता है, ग्रामीण महिला जो अपना उद्यम शुरू करना चाहती है सभी बिना किसी शैक्षणिक अर्हता के अविनाश के बेर फूटर स्कूल से संपर्क कर सकते है। मार्गदर्शन पाठ्यक्रम और प्रदर्शन प्रदान करने, कृषकों और अन्य सभी इच्छुक व्यक्तियों को कृषि और संबन्धित मुद्दों पर जानकारी प्रदान करने के लिए बेर फूटर स्कूल सप्ताह में 5 दिन आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। बागबानी, पशुचिकित्सा, किट प्रबंधन, ऐग्री-इंजीन्यरिंग, किट और रोग, औषधीय पौधे, एग्रो-टौरिस्म, जलकृषि और संबन्धित व्यवसाय कुछ विषय है जो यहाँ सिखाये जाते हैं। लघु पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रमाण-पत्र स्वतंत्र रूप से दिया जाता है। पूर्ण रूप से लैस और कंप्यूटरीकृत स्कूल ने अब तक 500 से अधिक कृषकों को प्रशिक्षित किया है और उन्हें उद्यम स्थापित करने में सहायता प्रदान की है। अविनाश उभरते कृषि उद्यमियों तक यह संदेश पहुँचना चाहते है कि,

"आप सफलता की सीढ़ी जेब में हाथ रख कर नहीं चढ़ सकते"

**अविनाश एन सालूङ्खे**

बी13 संस्कृति अपार्टमेंट, एसबीआई के सामने, श्रीरामपुर, जिला अहमदनगर – 413709, महाराष्ट्र,ईमेल आईडी pestocontrols@gmail.com, bare-footerschool@gmail.com

**श्री. एस.ए.अरुल**
**नोडल अधिकारी**

**एनटीआई न नाम:** वालन्टेरी असोशिएशन फॉर पीपल सर्विस (वीएपीएस)
**पता:** 39, बेसंट रोड, चोक्किकुलम, मदुरै – 625002, तमिलनाडु, 0452-2538642 / 4361903 (O), 0452 –2538642 ( F)

**मोबाइल सं:** 09443569401

**ई-मेल:** vaps_india@rediffmail.com

**वेबसाइट:** www.vapsindia.org

**प्रशिक्षण की सं. :** 74
**प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या:** 2534
**स्थापित वेंचरों की संख्या:** 1407

**सफलता का दर:** 55.52%

**स्थापित एग्री-वेंचर:** एग्री-क्लीनिक, एग्री-बिज़नस केंद्र, मृदा, डेयरी एकक, कुक्कुट-पालन, बागबानी नर्सरी, जैव-उर्वरक एकक, केंचुआ खाद एकक, बीज उत्पादन एकक, कृषि उपकरण एकक, कस्टम हाइरिंग, दूध संग्रह केंद्र, मधुमक्खी पालन, सूअर पालन परामर्श केंद्र, कट फ्लावर उत्पादन, मोबाइल पशुचिकित्सालय, आदि।

## सफलता के 50 रंग

वीएपीएस-वालन्टेरी असोशिएशन फॉर पीपल सर्विस, मदुरै, तमिलनाडु कई संगठनों में से एक है जिसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा तमिलनाडु, पुडुचेरी और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के अभ्यर्थियों को एसी एवं एबीसी योजना का मुफ्त 60 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु अनुमोदित किया है।

अब तक वीएपीएस प्रशिक्षण केंद्र ने 1810 कृषि-व्यवसायियों को प्रशिक्षित किया है जिसमे से 1101 ने कृषि समुदाय की तकनीकी और इनपुट आवश्यकता को पूरा करने के लिए ग्राम स्तर पर एग्री-वेंचर स्थापित किए। 155 कृषि उद्यमियों को विभिन्न राष्ट्रीकृत बैंकों द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है।

इस शिक्षाप्रद सफलता ने वीएपीएस मदुरै को 50 स्थापित एग्री-वेंचर की सफलता की कहानियों को लेते हुये एक पुस्तक प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया। 50 सफलता के रंग को सचित्र करने के पीछे की अवधारणा है कि यह उभरते कृषि उद्यमियों को रास्ता ढूँढने, उनकी क्षमता से उन्मुक्त करवाने और कृषि व्यवसाय और जीवन में सफलता के रहस्यों को जानने में मदद करेगा। सफलता के 50 रंग हर एग्रीवेंचर के मुख्य उद्देश्य को संक्षिप्त करता है और कैसे एक कृषिउद्यमी की अंतर्दृष्टि जमीन पर सफल एग्रीवेंचर के रूप में तब्दील हो गयी। इस किताब में कई सफल कृषिउद्यमियों की प्रेरणादायक रंक-से-राजा बनने की कहानियाँ हैं, जिन्होंने विविध रूप के एग्रीवेंचर जैसे खेत के मशीनीकरण का महत्व, इको-पर्यावरण, वेस्ट-टु -वैल्थ, डेयरी, कृषि-परामर्श, मूल्य संवर्धन, नर्सरी एवं बागबानी, भूदृश्य निर्माण, जैविक कृषि, बीज उत्पादन, जैव-नियंत्रण, जैव ईंधन, कृषि निर्यात, औषधीय पौधे, पुष्पकृषि आदि स्थापित किए है। यह न केवल कृषिउद्यमियों की उनके चयनित व्यवसाय गतिविधियों में व्यक्तिगत सफलता का ही ब्यौरा देता है बल्कि उनके द्वारा कृषि समुदाय को दी जा रही सेवाओं का भी ब्यौरा देता है।

श्रीमती उषा रानी डायरेक्टर जनरल मैनेज पुष्तक का प्रकाशन करते हुए

# कॉटन एप्प

कृषि समुदाय के लिए ई-विस्तारण सेवाओं के महत्व को पहचानते हुये, श्री.परीक्षित बोकारे (26) एक कृषिउद्यमी ने मराठी भाषा में कपास की फसल पर ई-एप्लिकेशन विकसित किया है। यह कॉटन एप्प कपास की खेती की पद्धतियों पर सूचना का पहला प्रमाणित स्रोत है और इसका लोकार्पण मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिन के उपलक्ष्य पर यानि 17 सितंबर 2015 को किया गया। उनके द्वारा विकसित कॉटन एप्प का प्रदर्शन वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परबनी, महाराष्ट्र में आदरणीय श्री. दिवाकर रावते, परिवहन मंत्री, महाराष्ट्र राज्य की उपस्थिती में किया गया। डॉ.बी. वेंकटेश्वरलु, उपकुलपति, विश्वविद्यालय ने श्री.परीक्षित द्वारा विकसित कॉटन एप्प के मूल्य को पुनरीक्षित किया और उन्हें विभिन्न फसलों के लिए ई-एप्लिकेशन तैयार करने का कार्य सौपा। मराठवाड़ा क्षेत्र के 500 से अधिक कृषकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और कॉटन-एप्प से अभ्यस्त हुये। अधिक जानकारी श्री.परीक्षित डी.बोकारे, निदेशक और तकनीकी प्रमुख, कृषि सारथी, www.krushisarathi.in, ई-मेल-admin@krushisarthi.in मोबाइल : 07588526040

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है। यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबन्धित योजनाओं के ब्यौरों से संबन्धित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों, के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

AGRICLINICS & AGRIBUSINESS CENTRES
BETTER FARMING BY EVERY FARMER

**"कृषि उद्यमी"** श्रीमति वी.उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज द्वारा प्रकाशित है।
कृषि-उद्यमवृत्ति विकास केंद्र (सीएडी),
राष्ट्रीय कृषि विस्तारण प्रबंधन संस्थान (मैनेज),
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500 030, भारत
ई-मेल: agripreneur@manage.gov.in

**मुख्य संपादक :** श्रीमति वी.उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, संपादक : डॉ.पी. चन्द्रशेखर ,सहायक संपादक: डॉ. लक्ष्मी मूर्ति, श्रीमति ज्योति सहारे,
**हिन्दी अनुवाद : डॉ. के. श्रीवल्ली**